आखिरत के कामो मे सबकत (यानी जल्दी करना)

बिस्मिल्लाहीर रहमान्नीर रहीम

आखिरत और नेकी के कामो में एक दुसरे से मुकाबला करना सबकत ले जाना (आगे बढ जाना) और ऐसी चीज़ जिस से बरकत हासिल की जा सकती हो उस को ज़्यादा हासिल करने की अगर कोई आदमी कोशिश करे तो इस में कोई हरज की बात नहीं है.

इससे मालूम हुवा के दुनयावी काम ऐसे नहीं है के उस में लोग एक दुसरे से सबकत हासिल करने की कोशिश करे मसलन फला के पास इतनी दौलत है तो में उस से ज़्यादा दौलत समेत लू फला के पास इतना बडा बांग्ला है तो में उस से बडा बांग्ला बना लू फला ने ऐसे कपडे पहने है तो में [उस से अच्छे कपडे पेहेन लू दुन्या की किसी भी चीज़ में मुकाबला करने और एक दुसरे पर सबकत ले जाने और आगे बढने की तरगीब (शौक लालच) नहीं दी गयी है हां! नेकी के कामो में एक दुसरे से आगे बढने की तरगीब दी गयी है.

आखिरत के काम ऐसे है के आपस में सबकत करने वाले मुकाबला और रेस करने वाले इस में रेस कर सकते है.

बरकत हासिल करने का एहतेमाम

हज़रत सहल बिन साद(रदी) से रिवायत है नबी करीम ﷺ के पास पीने की कोई चीज़ लायी गयी आप ﷺ ने उस में से पिया और जो बचा उस को देने के लिए पास बैठे हुवे लोगो में से अपनी दाहनी (राइट) तरफ देखा तो एक कम उम्र का लडका बैठा हुआ था और आप की बाई (लेफ्ट) तरफ बडी उम्र के लोग थे आप ﷺ ने इस कम उम्र के लडके से कहा क्या तुम मुझे इजाजात देते हो के में मेरा बचा हुवा इनको दू? उस पर उस कम उम्र के लडके ने कहा ये आप का बचा हुआ बडा बरकत वाला है ये मेरा हिस्सा है अल्लाह की कसम इस के बारे में, में किसी दुसरे को अपने से आगे बढने नहीं दुगा तो नबी करीम ﷺ ने गिलास उस के हाथ में दे दिया.

खुलासा-: क्यू के दाई तरफ होने की वजह से उसूली तौर पर उसी को देना चाहिए जैसे के बाज़ रिवायतों में ये आदाब बतलाया है दाई

तरफ हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास(रदी) बैठे हुवे थे और बाई तरफ हज़रत खेद बिन वलीद(रदी) थे और ये हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास(रदी) के मुकाबले में बडी उम्र के थे और ये वाकिअ आप صلى الله عليه وسلم की पाक बीवी हज़रत मैमुना बिन्ते हारिस(रदी) के यहां पेश आया.

हज़रत मैमुना(रदी) इन दोनों हज़रात, हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास(रदी) और हज़रत खालिद बिन वलीद(रदी) की खला होती है वही से नबी करीम صلى الله عليه وسلم के पास पीने की कोई चीज़ आयी नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने उस में से पिया और बचे हुवे के बारे नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास(रदी) से ये फरमाया के ये बचा हुआ है और तुम मेरे दाई (राइट) तरफ हो इस लिए तुम ही ज़ियादा हकदार हो लेकिन अगर इजाजात दो तो में इनको दू इस पर उन्हों ने कहा आप صلى الله عليه وسلم का बचा हुआ बडा बरकत वाला होता है और मेरा हिस्सा है इस को में किसी और को देने के लिए तैयार नहीं हु नबी करीम صلى الله عليه وسلم ने गिलास उनके हाथ में थमा दिया. [थमा दिया का मतलब ये है के न पसंद होने का इज़हार करते

हुवे ताकत से किसी के हाथ में देना.]

जब नबी करीम ﷺ ने उन से पूछा जिस से नबी करीम ﷺ का इरादा मालूम हो सकता था और आप ﷺ की खवाहिश भी यही थी के हज़रत खालिद(रदी) को दिया जाये लेकिन नबी करीम ﷺ का इरादा मालूम होने के बाद भी जब वो कह रहे है के में खुद ही लेना चाहता हु इस लिए नबी करीम ﷺ ने नापसंद होना ज़ाहिर करते हुवे इन के हाथ में थमा दिया.

बरकत से कोई बे-नियाज़ नहीं (बेपरवाह)

हज़रत अबू हुरैरह(रदी) फरमाते है के नबी करीम ﷺ ने इरशाद फरमाया: एक मर्तबा हज़रत अय्यूब(अले) गुसल खाने में कपडे निकल कर गुसल फार्मा रहे थे ऐसे हालत में उनके ऊपर सोने की टिड्डिया (एक किसम का परवाला कीडा जो खेतो और फसल को नुकसान पोछता है) गिरी हज़रत अय्यूब(अले) उनको अपने कपडो में जमा करने लगे अल्लाह ताला की तरफ से उनको आवाज़ दी गयी ऐ अय्यूब! तुम जो ये टिड्डिया

देख रहे हो इससे हम ने तुम है बेपरवाह नहीं कर दिया है? हज़रत अय्यूब(अले) ने जवाब दिया ऐ अल्लाह! तेरी इज़्ज़त की कसम (आप ने मुझे बहुत कुछ दे रखा है लेकिन इसके बावजूद आसमान से आयी हुवी ये चीज़ भी तो आप की नेमत और बरकत की है) और में आप की बरकत की इस चीज़ से में बेपरवाह नहीं हु.

खुलासा- अगर गुसल ऐसी जगह कर रहे है जो तन्हाई की हो जैसे गुसल खाना तो कपडे उतार कर भी गुसल कर सकते है हां! अगर लोगो के सामने हो तो फिर 'सत्तर' धापा हुवा होना ज़रूरी है.

सोने की टिड्डिया जो गिरी वो या तो बाकायदा जानदार थी और उनका जिस्म अल्लाह ताला ने अपनी कुदरत से सोने का कबाना दिया था या ये की वो ज़िंदा नहीं थी बल्कि उनकी शकल व सूरत टिड्डियों की तरह बानी हुई थी.

जब हज़रत अय्यूब(अले) इन टिड्डियों को अपने कपडो में जमा करने लगे तो उनका ये काम देख ने में लालच मालूम होता है इस लिए अल्लाह ताला की तरफ से फरमाया गया ऐ अय्यूब! तुम

जो टिड्डिया देख रहे हो इससे हम ने तुमको बेपरवाह नहीं बनाया है यानि हम ने तुमको पहले से ही बोहोत कुछ दे दिया उसके होते हुवे इन टिड्डियों को जमा करने की क्या ज़रुरत है हमारी इतनी नेमतें तुम्हारे पास मौजूद है फिर क्यू इस के पीछे पडे हुवे हो हज़रत अय्यूब(अले) ने जवाब दिया अल्लाह ताला! आप की इज़्ज़त की कसम आप ने मुझे बहुत कुछ दे रखा है लेकिन इस के बावजूद आसमान से आयी हुई ये चीज़ भी तो आप की नेमत और बरकत की है में आप की इस बरकत से कैसे बेपरवाह हो सकता हु पहले आप ने जो दे रखा है उसका भी में मोहताज हु और ये नयी नेमत आयी इसका भी मोहताज हु इस लिए में अपने आप को बेपरवाह नहीं कर सकता.

हवाला- हदीस के इस्लाही मज़ामीन उर्दू से इसका लिप्यान्तरण किया है. (नोट- यह दरस का खुलासा हे).